12. प्राकृतिक प्रदेश तथा प्राकृतिक वनस्पति

1. उष्ण कटिबंधीय तृण प्रदेश/सवाना प्रदेश

(Tropical Grasslands / Savanna Regions)

स्थिति और विस्तार

- मोटे तौर पर 5 अंश से 20 अंश अंक्षाशों के बीच अर्थात उष्णकटिबंधों में,
- दक्षिण अमेरिका में अमेजन बेसिन द्वारा ये प्रदेश दो भागों में विभक्त
  1. उत्तरी भाग – लैनोस और
  2. दक्षिणी भाग – कैम्पोस कहलाता है।
- अफ्रीका और आस्ट्रेलिया में भी एक लम्बी पट्टी के रूप में इनका विस्तार।

जलवायु

- औसत मासिक तापमान 20 डिग्री से 30 डिग्री सेल्सियस,
- वार्षिक वर्षा 25 सेमी. से 100 सेमी. तक
- विषुवतीय सीमा पर और समुद्र तटीय भागों में अधिक वर्षा होती है। विषुवतीय सीमा पर डोलड्रम्स के प्रभाव में मुख्यत: संवहनीय वर्षा होती है और समुद्र तटीय भागों में प्रचलित वाणिज्य पवनों के प्रभाव में पर्वतीय वर्षा होती है।

प्राकृतिक वनस्पति

मुख्य वनस्पति: लम्बी और सूखी घास जो सवाना के नाम से प्रसिद्ध है। द. अमेरिका में ये **लैनोस** और **कैम्पोस** कहलाते है। माली, मुग्गा आदि आस्ट्रेलिया की कुछ कंटीली झाड़ियाँ है।

अन्य विशेषताएं

- यह प्रदेश विश्व प्रसिद्ध पशुशाला (200) है।
- **'अकेसिया'** (बबूल) प्रकार के पेड़ से गोंद प्राप्त होता है।
- बहुमूल्य खनिज पदार्थो का क्षेत्र
- **मसाई, किकयुस** और **हौसा** अफ्रीका की प्रमुख आदिम जातियां है।

2. ऊष्ण मरूथलीय प्रदेश

स्थिति और विस्तार

- स्थायी वाणिज्य पवन के क्षेत्र में स्थिति,
- मोटे तौर पर 15 अंश और 30 अंश अक्षांशों के बीच में विस्तार
- प्रमुख उष्ण मरूस्थल है:
  1. अफ्रीका में सहारा और कालाहारी
  2. एशिया में अरब, ईरान और थार
  3. उत्तरी अमेरिका में निम्न कैलिफोर्नियां, ऐरीजोना और कोलोरैडो के मरूस्थल
  4. दक्षिणी अमेरिका में अटाकामा
  5. आस्ट्रलिया का पश्चिमी भाग

नोट: *इनमें सबसे बड़ा सहारा मरूस्थल है जो अटंलाटिक महासागर से लेकर लालसागर तक फैला हुआ है।*

अन्य विशेषताएं

- दैनिक तापांतर: 15 डिग्री से 40 डिग्री सेल्सियस,
- विश्व में सबसे अधिक तापमान उष्ण मरूस्थलों में,
  1. सहारा स्थित अल-अजीजिया में 58.7 डिग्री सेल्सियस तापमान
  2. कैलिफोर्निया स्थित **मृतक घाटी** में **58 डिग्री** सेल्सियस तापमान
  3. थार का मरूस्थल स्थित **जैकोबाबाद** (पाकिस्तान) में 52 डिग्री सेल्सियस
- औसत वार्षिक वर्षा 10-12 सेमी., (वर्षा न होने का कारण है) अश्व अक्षांशों के मध्य में पड़ना और वाणिज्यिक पवनों का प्रभाव।
- प्रमुख वृक्ष– बबूल **(Acacia arabica)**
- प्रमुख पशु– ऊँट
- इसे सतत कठिनाईयों का प्रदेश कहा गया है।
- खजूर को मरूस्थल की **रोटी** कहा गया है।

3. भूमध्यसागरीय प्रदेश

स्थिति एवं विस्तार

भूमध्यसागरीय प्रदेश का क्षेत्र: पुर्तगाल, स्पेन, दक्षिणी फ्रांस, इटली, यूगोस्लाविया, ग्रीस तथा एशिया के टर्की, सीरिया, इजरायल, और उत्तरी अफीका के तटीय भाग में साथ ही मध्य कैलिफोर्निया (उत्तरी अमेरिका में) मध्य चिली (दक्षिणी अमेरिका में) आदि।

अन्य विशेषताएं

- औसत तापमान 20 डिग्री सेल्सियस से 26 डिग्री सेल्सियस
- वार्षिक वर्षा: 40 सेमी से 50 सेमी तक
- गर्मी और जाड़े में स्थानीय पवन की उपस्थिति, जैसे- **सिरक्को, सान्ता अन्ना, मिस्ट्रल** और **बोरा।**

- सिरक्को सहारा मरूस्थल से चलने वाला धूल भरा पवन है, जो गर्मी में भूमध्य सागर के पार चला जाता है।
- मिस्ट्रल और बोरा ठण्डे पवन है।

वनस्पतिः भूमधयसागरी प्रदेश सिट्रस फलों जैसे अंगूर, नींबू, नारंगी, शहतूत आदि के लिए प्रसिद्ध है। जड़ी-बूटियों में **लैवेंडर** और पेड़ों में **यूक्लिप्टस, जैतून** आदि उल्लेखनीय हैं।

4. शीतोष्ण कटिबंधीय / स्टेपी प्रदेश

स्थिति और विस्तार

- पश्चिमी पवन क्षेत्र **(Westerly wind belt)** में अवस्थिति
- यूरेशिया में ये स्टेपी **(Steppe)** कहे जाते है। जहां इनका विस्तार काला सागर से लेकर 3000 किमी. पूर्व अल्टाई पर्वत तक है। उत्तरी अमेरिका में ये प्रेरीज **(Prairies)** कहलाते हैं। जहां ये रॉकी पर्वत से लेकर बृहदझील प्रदेश तक फैले हुए हैं।
- इन प्रदेशों को द. अमेरिका में **पम्पास,** द. अफ्रीका में **वेल्ड** तथा आस्ट्रेलिया में **डाउन्स** के नाम से पुकारा जाता है।
- वार्षिक वर्षा 25 सेमी से लेकर 70 सेमी तक

प्राकृतिक वनस्पति के रूप में घास के मैदान है

स्टेपी	यूरेशिया
प्रेयरी	उत्तरी अमेरिका
पम्पास	दक्षिणी अमेरिका
वेल्ड	द॰ अफ्रीका
डाउन्स	आस्ट्रेलिया

- संसार में सबसे अधिक **भेड़ें** इन्ही प्रदेशों में मिलती हैं।
- संसार का सबसे अधिक गेहूं प्रेरिज प्रदेशों से प्राप्त होता है।

4. टैगो प्रदेश

स्थिति और विस्तार

- यह प्रदेश सिर्फ उत्तरी गोलार्द्ध में 55° से 70° अंक्षाशों के बीच मिलता है।
- इसका विस्तार (1) उत्तरी अमेरिका में अलास्का से कनाडा तक और (2) यूरेशिया में स्वेडन से साईबेरिया अर्थात सोवियत संघ तक है।

अन्य विशेषताएं

जलवायुः साईबेरिया में जाड़े की ऋतु बहुत लंबी और तापमान हिमांक से नीचे होता है।

- संसार का सबसे ठंडा स्थान वरकोयांस्क (रूस) (Verkoyansk) यही पर है।
- संसार में सबसे अधिक तापान्तर (50-55 डिग्री सेल्सियस) इसी जलवायु में मिलता है।
- वर्षा 25 से 50 सेमी तक होती है।
- इस प्रदेश में बर्फ की आंधियाँ चलती है, जो 'ब्लिजार्ड' कनाडा में और ब्यूरान (यूरेशिया में) कहलाती है।

वनस्पति

- प्रमुख वनस्पति शीतावन है जो यूरेशिया में तायगा (Taiga) और उत्तरी अमेरिका में कोणधारी वन के नाम से प्रसिद्ध है। प्रमुख वृक्ष हैं, चीड़, स्प्रुस, लार्च, फर, सिडार आदि।

प्राकृतिक वनस्पति

पृथ्वी पर जैव जगत के दो प्रमुख भाग है

1. वनस्पति
2. पशु तथा वन्य जीव

प्राकृतिक वनस्पति के प्रकार

1. वन
2. घास के मैदान
3. मरूस्थलीय वनस्पतियाँ

संसार में पाए जाने वाले वनों को निम्नलिखित वर्गो में विभाजित किया जा सकता है।

विषुवतीय वन (Equatorial Forests)

- वार्षिक वर्षा : 200 सेमी से अधिक।
- सबसे अधिक विस्तार भूमध्य रेखा के 5 अंश उत्तर तथा 5 अंश दक्षिण अंक्षाश के बीच
- पेड़ वर्ष भर हरे-भरे होते हैं, पेड़ों की पत्तियां चौड़ी होती है।
- इन वनों के अन्य नाम- **ऊष्णकटिबंधीय आर्द्र वन,** उष्ण कटिबन्धीय कठोर लकड़ी के वन।
- अमेजन की घाटी में **सेल्वा** (Selvas) कहते है।
- वृक्षों की औसत ऊँचाई 70 से 100 मीटर तक।
- इन वनों का विशेष आर्थिक महत्व नही है।
- प्रमुख पेड़ - **महोगनी**, **एबोनी**, और **रोजवुड**।

मानसूनी वन या ऊष्ण कटिबंधीय पतझड़ वन

- ऊष्ण कटिबंध में मानसूनी जलवायु वाले क्षेत्रों में प्राप्य
- वार्षिक वर्षा- 100 सेमी से 200 सेमी तक
- प्रमुख क्षेत्र- भारत, पाकिस्तान, म्यांमार, थाईलैंड, श्रीलंका, मध्य अमेरिका, ब्राजील आदि।
- पेड़ सदा हरे - भरे नहीं रहते, इन्हें पतझड़ के वन भी कहा जाता है।
- आर्थिक दृष्टि से सर्वाधिक महत्वपूर्ण वन।

- मुख्य पेड़ : सागवान, बांस, चन्दन, देवदार, महोगनी, शीशम, साल, बरगद, नीम, नारियल आदि।

शीतोष्ण कटिबंधीय चौड़ी पत्ती वाले सदाबहार वन

- भूमध्यसागर के तटीय भागों में उगने के कारण इन वनों को भूमध्यसागरीय वन (Mediterranean forests)
- वर्षा केवल शीत ऋतु में, औसत मात्रा 60 सेमी से 90 सेमी. तक।
- इन्हें शुष्क सदाबहार वन भी कहा जाता है।
- शुष्क सदावहार वन क्यों?
  1. जड़े जमीन में अधिक गहरी, ताकि अधिक गहराई से पानी प्राप्त कर सके।
  2. तने पर मोटी खाल ताकि वाष्पीकरण में अधिक जल की क्षति न हो।
- मुख्य पेड़ : ओक, जैतून, पाइन, फर, साइप्रस, अंजीर, यूकेलिप्टस, चेस्टनट, वालनट आदि।
- फलदार वृक्ष भी : नींबू, नारंगी, अनार, अंगूर, नाशपाती आदि।

समशीतोष्ण मिश्रित वन या शीतोष्ण कटिबंधीय पतझड़ के वन

- **क्षेत्र :** जापान, चीन, कोरिया, पश्चिमी कनाडा, उत्तर-पश्चिम यूरोपीय देश तथा सेंट लारेंस बेसिन
- औसत तापमान : 3 से 8 डिग्री सेल्सियस
- औसत वर्षा : 50 सेमी तक
- प्रमुख वृक्ष : ओक, बीच, चेस्टनट, एश, एल्म, हिकौरी, कठोर लकड़ी वाले वन।

कोणधारी वन (Coniferous Forests)

- वनों का विस्तार- क्षेत्र : उत्तरी अमेरिका तथा यूरेशिया के उत्तरी भागों में 50° उत्तर से 70° उत्तरी अक्षांश तक।
- हिमालय, आल्प्स पर्वत, दक्षिणी चिली, ब्राजील के पठार, दक्षिणी अफ्रीका आदि।
- साईबेरिया में कोणधारी वनों को टैगा (Taigas) कहते हैं।
- प्रमुख वृक्ष: चीड़, सेडार, देवदार, फर, डगलसफर, ब्लूपाइन, लार्च, गनेर आदि।
- आर्थिक एवं व्यापारिक दृष्टि से सर्वाधिक महत्वपूर्ण वन।

वनों के लाभ

प्रत्यक्ष लाभ	अप्रत्यक्ष लाभ
1. भोजन	1. मृदा अपरदन पर नियंत्रण
2. वस्त्र	2. बाढ़ों की रोकथाम
3. औद्योगिक कच्चा माल	3. मरूस्थलों के प्रसार पर नियंत्रण
4. ईंधन के लिए लकड़ी	4. जलवायु पर प्रभाव
5. पशुओं के लिए चारा	5. पर्यावरण-प्रदूषण से बचाव
6. जड़ी-बूटियॉ	6. मिट्टी की उर्वरता को बढ़ाना

वनस्पतियों का विश्व वर्गीकरण

सम्पूर्ण विश्व में मिलने वाली विभिन्न प्रकार की प्राकृतिक परिस्थितियों एवं जलवायविक दशाओं के कारण वनस्पतियों में भी विविधता पायी जाती है। इस दृष्टि से निम्नलिखित प्रकार की वनस्पतियाँ मिलती हैं–

1. **ट्रोपोफाइट** (Tropophyte)– इस प्रकार की वनस्पतियों के अन्तर्गत ऊष्णकटिबंधीय जलवायु वाली वनस्पतियों एवं घासों को सम्मिलित किया जाता है।
2. **हाइग्रोफाइट** (Hygrophyte)– इसमें अधिक आर्द्रता वाले क्षेत्रों, जैसे भूमध्यरेखीय उष्णार्द्र क्षेत्रों की वनस्पतियाँ या दलदली क्षेत्रों की वनस्पतियाँ शामिल की जाती हैं।
3. **हाइड्रोफाइट** (Hydrophyte)– इसके अन्तर्गत जलप्लावित क्षेत्रों की वनस्पतियाँ आती हैं।
4. **जेरोफाइट** (Xerophyte)– उष्णकटिबंधीय मरूस्थलीय क्षेत्रों की वनस्पतियों, जैसे कैक्टस, बबूल, सेजबुश, सैक्सौल, एकेसिया, कीकर, खजूर आदि को जेरोफाइट वनस्पतियों के अन्तर्गत रखा जाता है।
5. **मेसोफाइट** (Mesophyte)– मेसोफाइट शीतोष्ण कटिबन्धीय क्षेत्रों में मिलने वाली वनस्पतियाँ हैं, जैसे-साइबेरिया क्षेत्र की टैगा वनस्पति।
6. **क्रायोफाइट** (Cryophyte)– टुण्ड्रा अथवा शीत प्रधान क्षेत्रों की वनस्पतियाँ, क्रायोफाइट कहलाती है। इसमें मॉस, लाइकेन आदि को सम्मिलित किया जाता है।
7. **हैलोफाइट** (Halophyte)– नमकीन क्षेत्रों में मिलने वाली वनस्पतियाँ जैसे मैन्ग्रोव, गुल मुहर आदि 'हैलोफाइट' के अन्तर्गत आती हैं।
8. **लिथोफाइट** (Lithophyte)– इसके अन्तर्गत कड़ी चट्टानों अर्थात् पत्थरों आदि पर उगने वाली वनस्पतियों को शामिल किया जाता है।

घास क्षेत्रों का वर्गीकरण

स्थिति के आधार पर विश्व में मिलने वाले घास समुदायों को दो मुख्य वर्गों में रखा जाता है, जो निम्नलिखित हैं

उष्ण कटिबन्धीय घास के मैदान (Tropical Grasslands) एवं शीतोषण कटिबन्धीय घास के मैदान (Temperate Grasslands)

1. **उष्ण कटिबन्धीय घास के मैदान–** इस प्रकार के घास के मैदानों का विस्तार भूमध्यरेखीय सदाबहार वनों तथा गर्म मरूस्थली क्षेत्रों के बीच पाया जाता है। इनका सर्वाधिक विस्तार सूडान, वेनेजुएला, जेम्बेजी नदी बेसिन, ब्राजील के दक्षिणी भाग, ओरनीको बेसिन, जायरे बेसिन, पूर्वी अफ्रीका की उच्च भूमियों तथा उत्तरी आस्ट्रेलिया एवं न्यूजीलैण्ड में मिलता है। इन घास के मैदानों में घासें पायी जाती हैं, जिनकी लम्बाई सामान्यत: 1.5 से 4 मीटर तक होती है। इस प्रकार की घासों में पोषक तत्वों की कमी होती है। यहाँ वर्षा 25-75 सेमी. तक होती है तथा यहां तापक्रम भी अधिक होता है।

   उष्ण कटिबन्धीय घास क्षेत्रों में अनेक जाति की घासें पाई जाती हैं, जिनमें मुख्य हैं कम्पोजिटा, लिगुमिनासा, ग्रेमीनेसिया तथा लिलीसिया।

2. **शीतोष्ण कटिबंधीय घास के मैदान–** इस प्रकार के घास के मैदानों का विस्तार एशिया, यूरोप, उत्तरी अमेरिका, दक्षिणी अमेरिका, आस्ट्रेलिया एवं न्यूजीलैण्ड के शीतोष्ण कटिबंधीय क्षेत्रों में हुआ है। इस क्षेत्र में भी औसत वार्षिक वर्षा 25-75 से.मी. से कम ही होती है। इन घास-स्थलों में गेहूँ की कृषि के लिए बड़े-बड़े विस्तृत यांत्रिक फार्म (Mechanised farms) तथा पशुचारण के क्षेत्र हैं।

   इस प्रकार की घासों का आदर्श स्वरूप उत्तरी अमेरिका के प्रेयरी (Prairies) तथा यूरेशिया के स्टेपी (Steppes) घास मैदानों के रूप में मिलता है। इन घासों के भी अनेक नाम हैं जैसे-अर्जेण्टाइना में पम्पास (Pampas), आस्ट्रेलिया में डाउन्स (Downs), दक्षिण अफ्रीका के नेटाल प्रान्त में वेल्ड (Veldt) न्यूजीलैण्ड में कैण्टरबरी घास (Canterbury Grass) आदि।

स्मरणीय तथ्य

- दक्षिण मैक्सिको, होंडूरास तथा ब्राजील के वनों में जपोटा (Zapota) नामक वृक्ष से **चिकिल** नामक रस प्राप्त किया जाता है। इससs (Chewing Gum) तैयार होता है।
- **कुनैन** 'सिनकोना' नामक वृक्ष से प्राप्त की जाती है।
- **गोंद** बबूल, ढाक व सेमल के पेड़ों से प्राप्त की जाती है।
- लाख अनेक प्रकार की कीड़ों से प्राप्त की जाती है।
- मैदानी क्षेत्र में पारिस्थितिक संतुलन को कायम रखने के लिए वन आवरण का न्यूनतम प्रतिशत है- 25 प्रतिशत।
- पृथ्वी पर घने वन भूमध्यरेखा के पास मिलते हैं।
- **प्रमुख घास के मैदान**

स्टेपी	एशिया एवं यूरोप
प्रेयरी	उत्तरी अमेरिका
पंपास	अर्जेनटाइना (दक्षिणी अमेरिका)
वेल्ड	दक्षिणी अफ्रीका
डाउन्स	आस्ट्रेलिया

- शीत मरूस्थलीय वनस्पति है: **काई** तथा **लिचन**

EduBull.com